

चढ़ता पारा दिन में दिखा रहा तेवर

जयपुर @ पत्रिका

patrika.com/city

पिछले हफ्ते बारिश से गिरा तापमान अब बढ़कर दिन में तपिश का अहसास करा रहा है। राजधानी समेत प्रदेश भर में सोमवार को भी तापमान में बढ़ोतरी का दौर चला।

राजधानी में रात और सुबह ठंडक महसूस हो रही है, लेकिन

दोपहर में सड़के तपने लग जाती हैं।

शहर में पारा तीन दिन से लगातार बढ़ रहा है। सोमवार को तापमान में एक डिग्री की बढ़ोतरी दर्ज की गई। प्रदेश के सभी जिलों में अधिकतम तापमान 34 डिग्री से ऊपर ही रहा। चूरू में यह 38 डिग्री और जोधपुर में 37.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

News item/letter/article/editorial published on

29/9/15

in the

Hindustan Times

Statesman

The Times of India (N.D.)

Indian Express

Tribune

Hindustan (Hindi)

Nav Bharat Times (Hindi)

Punjab Keshari (Hindi)

The Hindu

Rajasthan Patrika (Hindi)

Deccan Chronicle

Deccan Herald

M.P. Chronicle

A a j (Hindi)

Indian Nation

Nai Duniya (Hindi)

The Times of India (A) ---

Blitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC.

गंगा स्वच्छता पर पूरे दिन एनजीटी सुनवाई करेगा

नई दिल्ली | विशेष संवाददाता

गंगा को स्वच्छ और निर्मल बनाने के मामले पर गंभीर राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण (एनजीटी) 6 अक्टूबर से पूरा दिन इस मुद्दे पर सुनवाई करेगा। इस दौरान गंगा को प्रदूषित करने वाली औद्योगिक इकाईयों के खिलाफ, नदी को स्वच्छ बनाने की परियोजनाओं समेत अन्य मुद्दों पर गौर करेगा।

जस्टिस स्वतंत्र कुमार की अध्यक्षता वाली पीठ ने एम.सी. मेहता व कृष्णकांत की ओर से कानपुर की टेनरियों व उन अन्य औद्योगिक इकाईयों के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई के दौरान 6

अक्टूबर के दिन गंगा सफाई पर सुनवाई करने का निर्णय लिया। पीठ ने कहा कि इस दिन के लिए निर्धारित अन्य मामलों को 13 अक्टूबर को लगा दिया जाए।

6 अक्टूबर को एनजीटी सिर्फ गंगा सफाई से जुड़े मामलों पर सुनवाई करेगी। एनजीटी की ओर से टेनरियों को गंगा को गंदा करने के खिलाफ हिदायत दी जा चुकी है। याद रहे कि न्यायाधिकरण ने टेनरी मालिकों से कहा था कि यदि टेनरियों की गंदगी गंगा में गिरने से नहीं रुकी तो उन्हें बंद कर दिया जाएगा। एनजीटी ने इस संबंध में यूपी सरकार, यूपी प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और टेनरी उद्योग को हल निकालने को कहा था।

दि-29-9-15

दिनांक 28.12.2015 को निम्नलिखित समाचार पत्र में प्रकाशित मानसून/ बाढ़ सम्बन्धी समाचार

Hindustan Times (Delhi)
भारत टाइम्स (दिल्ली)
The Tribune (Chandigarh)
The Hindu (Chennai)

The Assam Tribune (Guwahati)
The Times of India (Mumbai)
The Telegraph (Kolkata)
हिन्दुस्तान (पटना)

The Deccan Herald (Bengaluru)
The Deccan Chronical (Hyderabad)
Central Chronical (Bhopal)

Sinking feeling



Motorists caught unawares at Brigade Road junction after heavy rain lashed the City on Sunday. Three hours of showers led to waterlogging and traffic chaos, uprooting several trees. DH PHOTO/KISHOR KUMAR BOLAR Report, P2

एक-दूसरे से सहयोग करें कर्नाटक व तमिलनाडु : केन्द्र

कावेरी निगरानी समिति की बैठक

बंगलूरु . नई दिल्ली. केन्द्र सरकार ने कावेरी नदी के बंटवारे के मसले पर कर्नाटक व तमिलनाडु को एक-दूसरे से सहयोग करने को कहा है। केन्द्र का यह फैसला तमिलनाडु के इस दावे के बाद आया है कि कर्नाटक कावेरी पंचाट के फैसले के अनुरूप तमिलनाडु के लिए पानी छोड़ने में विफल रहा है।

सोमवार को दिल्ली के शक्ति भवन में हुई कावेरी निगरानी समिति की बैठक के बाद सूत्रों ने बताया कि दोनों राज्यों से एक-दूसरे के साथ सहयोग करने व कम बारिश की स्थिति से संयुक्त रूप से निपटने के बेहतर तरीके अपनाने का आग्रह किया गया।

इस माह की शुरुआत में ही कर्नाटक ने स्पष्ट कर दिया था कि राज्य में पिछले चार दशकों में पड़े सबसे भीषण सूखे के हालात के कारण राज्य तमिलनाडु को कावेरी का पानी छोड़ पाने में असमर्थ है। सूत्रों ने बताया कि हम आंकड़े को

जुटाने, उसके प्रबंधन व विश्लेषण को बेहतर करने का प्रयास कर रहे हैं ताकि इस तरह की संकटकालीन स्थिति को अच्छी तरह से समझा जा सके और उचित निर्णय किया जा सके।

उधर, राज्य ने कावेरी निगरानी समिति की बैठक में ने स्पष्ट कहा कि राज्य के कावेरी बेसिन के जलाशयों में पर्याप्त पानी की आवक नहीं होने की वजह से तमिलनाडु के लिए उसके हिस्से का पानी छोड़ना संभव नहीं है।

बैठक में राज्य का प्रतिनिधित्व करने वाले मुख्य सचिव कौशिक मुखर्जी ने कहा कि कर्नाटक में भीषण सूखा पड़ा है। मानसून में बारिश नहीं होने की वजह से राज्य के अधिकांश जलाशय खाली पड़े हैं और उनमें 50 प्रतिशत तक जल का संग्रहण नहीं हुआ है। कावेरी बेसिन के चारों जलाशयों की स्थिति भी ऐसी ही है। जब राज्य के पास पेयजल जरूरतों को पूरा करने लायक पानी का भंडार नहीं है तो ऐसे में तमिलनाडु के लिए पानी कैसे छोड़ा जा सकता है। बैठक के दौरान

तमिलनाडु ने कहा कि कावेरी पंचाट के फैसले के अनुसार कर्नाटक को तमिलनाडु के लिए तत्काल 48 टीएमसी पानी छोड़ना चाहिए। तमिलनाडु ने यह भी कहा कि पानी कम छोड़ने की वजह से तमिलनाडु में सांबा की फसलों की बुवाई पर असर हो रहा है लिहाजा केन्द्र सरकार कर्नाटक को अक्टूबर से लेकर जनवरी के बीच 48 टीएमसी पानी छोड़ने के निर्देश दे। करीब दो घंटे तक चली इस बैठक में पानी छोड़ने के मसले को लेकर तमिलनाडु व कर्नाटक के प्रतिनिधियों के बीच गर्मागर्म बहस हुई। मुख्य सचिव कौशिक मुखर्जी व अतिरिक्त मुख्य सचिव राममूर्ति ने कावेरी बेसिन के बांधों में संग्रहित पानी का वास्तविक स्थिति का विवरण पेश किया।

बैठक में मौजूद केरल व पुदुच्चेरी राज्यों के अधिकारियों ने भी अपना- अपना पक्ष रखा। तमाम दलीलों को सुनने के बाद केन्द्रीय जल संसाधन सचिव ने दोनों राज्यों से संयम से काम लेने व आपसी समझ से संकटकाल से निपटने की सलाह दी। (का.सं.)

सूखे के लिए सरकार जिम्मेदार

रायपुर @ पत्रिका. छत्तीसगढ़ प्रगतिशील किसान संगठन के संयोजक राजकुमार गुप्त ने कहा है कि व्यापक सूखे के कारण फसल खराब होने की स्थिति के लिए रमन सरकार की कृषि की उपेक्षा और उद्योग परस्त नीति जिम्मेदार है। राज्य में अनाप-शनाप पॉवर प्लांटों का निर्माण किया गया है, जो नदियों और जलाशयों का पानी हड़प कर रहे हैं। इन प्लांटों से उत्पादित बिजली का लाभ किसानों को नहीं मिल पा रहा है।

भारत तिब्बत सीमा पुलिस 72 दिन में तय करेगी 2350 किलोमीटर का सफर

गंगा की सफाई के लिए राफ्टिंग अभियान 2 से

नई दिल्ली @ पत्रिका ब्यूरो

patrika.com/india

भारत तिब्बत सीमा पुलिस गंगा को प्रदूषण मुक्त करने के सपने के साथ 2 अक्टूबर से गंगा में राफ्टिंग अभियान शुरू करेगी। अभियान के दौरान बल का राफ्टिंग दल गंगा को पॉलीथिन मुक्त बनाने के साथ ही उन स्थानों से पानी के नमूने भी एकत्र करेगा जहां गंगा में औद्योगिक तथा सीवरेज का पानी गिरता है।

अभियान के दौरान गंगा के जलचरों के आवासों का भी जीपीएस के माध्यम से पता लगाया जाएगा। भारत तिब्बत सीमा पुलिस के महानिदेशक कृष्ण चौधरी ने सोमवार को बल के मुख्यालय में संवाददाता

सम्मेलन में बताया कि बल का राफ्टिंग दल उत्तराखण्ड के देव प्रयाग से गंगासागर तक 2350 किलोमीटर का सफर 72 दिन में तय करेगा और इस दौरान गंगा जल के साथ ही किनारों की मिट्टी के नमूने एकत्र कर उसकी स्थिति की विस्तृत रिपोर्ट केन्द्र सरकार को देगा।

गंगा को नुकसान की बनाएगा रिपोर्ट

चौधरी ने एक सवाल के जवाब में बताया कि राफ्टिंग करने वाले बल के दो दल गंगा को हो रहे छोटे से छोटे नुकसान का जायजा लेंगे और उसकी रिपोर्ट तैयार करेंगे। दल गंगा के किनारों पर कटान के कारणों, मिट्टी

की स्थिति, किनारों पर प्रदूषण के अतिरिक्त पानी की सतह पर तैरने वाले पॉलीथिन को एकत्रित करेंगे। पॉलीथिन को राफ्टिंग दल की निगरानी के लिए सड़क के रास्ते चलने वाले दल पर्यावरण को नुकसान पहुंचाएं बिना नष्ट करेंगे। राफ्टिंग दल प्रतिदिन 47 किलोमीटर की यात्रा के दौरान 50 से 70 किलो पॉलीथिन एकत्रित करेगा।

जलचरों के आवासों पर रखेंगे नजर

चौधरी के अनुसार 72 दिन के इस अभियान के दौरान राफ्टिंग दल जीपीएस के जरिए गंगा में विचरण करने वाली डाल्फिनों के साथ ही

अन्य जलचरों के आवासों का पता लगाएगा और उनके आवासों को चिन्हित कर उन्हें सुरक्षित बनाने के उपाय सुझाएगा। चौधरी ने दावा किया कि कभी गंगा में हजारों की संख्या में रहने वाली डाल्फिन अब सिर्फ 1500 की संख्या में रह गई है।

सुरक्षित रखेंगे नमूने

राफ्टिंग दल गंगा के पानी के जहां-जहां से नमूने लेंगे, उनको आधुनिक उपकरणों की सहायता से सुरक्षित रखेंगे ताकि केन्द्र सरकार की प्रयोगशालाओं में जांच के समय उनसे गंगा जल की वास्तविक स्थिति का पता लग सके। चौधरी के अनुसार 2012 में भी बल के

राफ्टिंग दलों ने गंगा के पानी के नमूने लिए थे, लेकिन उनको सुरक्षित नहीं रख पाने की वजह से वास्तविक स्थिति का पता नहीं लग पाया था। इस बार बल के दल नमूने सुरक्षित रखने की तकनीक से लैस होंगे।

खत्री नेतृत्व करेंगे

चौधरी ने बताया कि रिवर राफ्टिंग अभियान 2015 स्वच्छ गंगा के राफ्टिंग दल का नेतृत्व बल के कमाण्डेंट सुरिन्द्र खत्री करेंगे। तरुण सेनानी दल के उपनेता होंगे। पांच राज्यों से गुजरने वाले अभियान के दौरान राफ्टिंग दल गंगा किनारों-शहरों में युवाओं को बल में भर्ती होने के लिए प्रोत्साहित भी करेंगे।

ऐतिहासिक खोज: मंगल ग्रह पर पानी मिलने की पुष्टि

केप कैनवरल (फ्लोरिडा) | एजेसी

कई वर्षों के प्रयासों के बाद आखिरकार मंगल ग्रह पर पानी खोज लिया गया है। नासा ने सोमवार को इसकी पुष्टि की। नासा ने दावा कि इस ग्रह पर खारे पानी की बहती धाराएं मौजूद हैं।

नासा ने शनिवार को ऐलान किया था कि वह दो दिन बाद बड़ा खुलासा करेगा। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी ने संवाददाता सम्मेलन में बताया कि इस बात की पुष्टि जानकारी मिली है कि गर्मी के दौरान कुछ खास जगहों पर

पानी की धाराएं बहती हैं। पानी में मिला नमक उस तापमान को कम कर देता है जिस पर पानी जमता है।

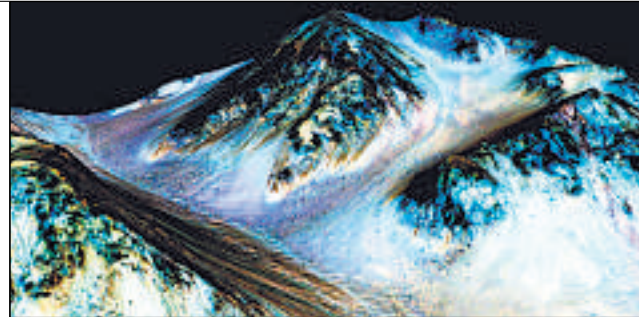
नासा के वैज्ञानिकों ने बताया कि गर्मी बढ़ने के साथ-साथ ये धाराएं और चौड़ी हो जाती हैं। बाकी समय ये गायब रहती हैं। बता दें कि पूर्व में मंगल पर जमा हुआ पानी मिलने का दावा किया जाता रहा है। वैज्ञानिकों ने बताया कि यह खोज इसलिए सबसे अहम है कि अब मंगल ग्रह पर जीवन की मौजूदगी की संभावनाएं बेहद बढ़ गई हैं।

➤ उम्मीद अभी दूर पेज 20

“यह तय हो गया है कि मंगल ग्रह सूखा नहीं है, जैसा कि पूर्व में माना गया था। कुछ खास परिस्थितियों में मंगल पर पानी तरल अवस्था में मौजूद रहता है।

— जिम ग्रीन, नासा की ग्रह विज्ञान शाखा के निदेशक

40 साल पहले मंगल ग्रह के ध्रुवों पर बर्फ मिलने का दावा किया गया था



नासा द्वारा 27 सितंबर 2015 को जारी इस तस्वीर में मंगल ग्रह पर मौजूद पहाड़ियों पर उन गहरे ढलाननुमा निशानों (स्लोप) को दर्शाया गया है जो पानी बहने से बने हैं। • एएफपी

लाल ग्रह की मिट्टी को भी धरती पर लाने की कोशिश

नासा मंगल ग्रह की मिट्टी को धरती पर लाने की कोशिश में लगा हुआ है। इस अभियान की शुरुआत 2022 में हो सकती है। इस परियोजना का नाम 'रेड ड्रैगन' दिया गया है।

2011 में दिखी थीं लकीरें

वर्ष 2011 मंगल ग्रह पर पानी से बनी लकीरों को पहली बार देखा गया था। तब से पानी की खोज में तेजी आई।

समुद्र में नदियां न मिलने से नुकसान

देश के मानसून पर असर पड़ेगा

खतरा

पणजी | मदन जैड़ा

नदियों को जोड़ने की योजना से भारतीय जलवायु पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है। वैज्ञानिकों का मानना है कि यदि इस योजना पर अमल किया गया खासकर नदियों के पानी को बंगाल की खाड़ी में पहुंचने से रोका गया, तो इससे देश का मानसून तंत्र पूरी तरह से बदल जाएगा। नदियों का पानी समुद्र में पहुंचकर मानसून को गति देने में अहम भूमिका निभाता है, जबकि इसमें रुकावट मानसून को कमजोर कर सकती है।

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ओसियनोग्राफी (एनआईओ) के शीर्ष वैज्ञानिकों के अनुसार देश की नदियों गंगा, महानदी, कृष्णा, गोदावरी, ब्रह्मपुत्र, कावेरी आदि से बंगाल की खाड़ी में प्रतिवर्ष दो हजार घन किलोमीटर पानी पहुंच रहा है। इस पानी की वजह से बंगाल की खाड़ी में एक तो खारापन कम होता है। दूसरी नदियों का यह ताजा पानी ऊपरी सतह में रहता है, जबकि समुद्र का अपेक्षाकृत भारी पानी नीचे चला जाता है।

गर्मियों के मौसम में जब मानसूनी हवाएं भारत की तरफ बढ़ रही होती हैं तब बंगाल की खाड़ी में समुद्र की सतह का गरम होना जरूरी है। बंगाल की खाड़ी में जब समुद्र गर्म होता है तो इसी

चेतावनी

- एनओआई के वैज्ञानिकों ने नदी जोड़ों परियोजना को जलवायु के लिए खरनाक बताया
- कहा, 25 फीसदी भी पानी कम हुआ, तो मानसून के भारत पहुंचने में आएगी बाधा

से निम्न दबाव के क्षेत्र और चक्रवाती और अन्य मौसमी गतिविधियां उत्पन्न होती हैं। वैज्ञानिकों ने एक शोध में दावा किया है कि यदि नदियों का पानी समुद्र में गिरना बंद हो जाता तो समुद्र का पानी उस तेजी से गर्म नहीं हो सकता जिस तेजी से नदियों का मिला हुआ पानी होता है। क्योंकि नीचे की ओर समुद्र का पानी ठंडा होता है। यह भारी पानी होता है तथा इसे गर्म होने के लिए ज्यादा समय चाहिए, जबकि नदियों का ताजा पानी जल्दी गर्म होता है।

ऐसे में यदि समुद्र की सतह जल्दी गर्म नहीं होगी तो समुद्र में मानसून को आगे धक्का देने वाली मौसमी गतिविधियां नहीं होंगी। वरिष्ठ वैज्ञानिक के अनुसार अगर समुद्र में जा रहे नदियों के पानी में 25 फीसदी की भी कमी हुई तो मानसून और मौसम के स्वरूप पर भारी फर्क पड़ सकता है। एनआईओ इस मुद्दे पर अभी आगे भी शोध कर रहा है। एनआईओ के अनुसार अरब सागर में नदियों का पानी अपेक्षाकृत कम जाता है।

After damp weekend, Met dept predicts more showers today

Bengaluru: Sept 28, 2015, DHNS



Heavy rains, accompanied by thunder and lightning, pounded the City for over three hours on Sunday night disrupting normal life.

The sudden downpour also affected processions that were being taken out in several parts of the

City to immerse the Ganesha idols.

The Indian Meteorological department has forecast thundershowers for the next 24 hours in and around Bengaluru.

Five full-grown trees came crashing down in Kengeri Satellite Town, Kengeri market, Jnanabharathi Layout, Basaveshwaranagar and near Vaibhav Cinema on Sanjaynagar Main Road.

The BBMP workers, with the help of police, cleared the trees, the Palike officials said.

Several houses in low-lying areas were inundated.

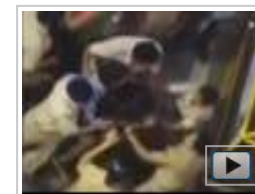
Water-logging was reported from Prakruthinagar Layout in Yelahanka, 7th Main, 2nd Stage in Indiranagar, Roshan Nagar in DJ Halli, near Ideal Homes on 19th Cross, Rajarajeshwarinagar, Vijayendra Nagar in Nandini Layout and 12th Cross in Bagalgunte off Peenya and other places, BBMP officials said.

Pedestrians fall

Around 8.30 pm, two pedestrians fell into a water-filled trench dug up by civic authorities for road works near Brigade Road-Residency Road junction.

Passersby rescued them immediately from the unfenced trench, eyewitnesses told Deccan Herald.

Videos



Girl in shorts not allowed to enter...



Variety the spice of life for Mumbai's...



Saudi Arabia calls for haj stampede investigation...



Fake iPhone 6s on sale in China...

Subscribe - Deccan Herald's YouTube channel

[more videos](#)

Most Popular Stories now

Commented

Emailed

Viewed

- 100 pilgrims killed near Mecca during haj
- Need to delink terror from religion: PM Modi
- Modi signs national flag, sparks controversy
- FIR against KS Bhagwan for hurting religious sentiments
- CID charges pontiff with rape after matching DNA
- PM breaks down recalling his mother's sacrifices
- BJP indicates support for quotas for poor

[among upper castes](#)

Traffic disrupted

Traffic on many arterial roads and junctions was affected for more than an hour. The traffic police deployed additional force at key junctions to regulate the vehicular movement.

The traffic movement was disrupted at Yeshwantpur, Mekhri Circle, Jayamahal, City Market, Hosur Road, Byatarayanapura, JP Nagar, Jayanagar, Okalipuram and surrounding areas.

According to the Met department, the City recorded 17.7 mm of rainfall on Sunday evening while Yelahanka received 74 mm of rain.

[Go to Top](#)

 E-mail this Page  Print this Page  Bookmark

Like

0

Tweet

1

G+1

0

0 Comments

Deccan Herald

 Login ▾ Recommend Share

Sort by Best ▾



Start the discussion...

Be the first to comment.

Photo Gallery



Prime Minister Narendra Modi speaks during a reception by the Indian community at the SAP...

[more](#)

मंगल ग्रह पर है बहता पानी



■ आईएनएस, केप कनेवरल:

नासा ने मंगल ग्रह पर बहते हुए पानी की मौजूदगी की पुष्टि की है। नासा के साइंटिस्ट जॉन ग्रंसफेल्ड के मुताबिक, यह दिखाता है कि मार्स पर किसी न किसी रूप में जीवन हो सकता है क्योंकि जिंदगी के लिए बहते पानी को अनिवार्य तत्व माना जाता है। तस्वीरों से साफ है कि वहां पहाड़ों और घाटियों में पिछली गर्मियों तक पानी बह रहा था। यह पानी खारा है, लेकिन इसके केमिकलों की पुष्टि नहीं हो सकी है। मंगल पर बर्फ की मौजूदगी की पुष्टि 2008 में ही हो चुकी है।

Heavy rains in Kodagu, Haveri

September 28, 2015, Bengaluru, DHNS



Heavy rains lashed a few parts of the State on Sunday. Kushalnagar in Kodagu district received heavy rains for more than an hour on Sunday noon. The town was reeling under heat for the past two days. Water gushed into a house in Indiranagar while the KSRTC bus stand had converted into a tank. Movement of vehicles was affected as roads were waterlogged. However, there were no reports of any casualties.

Several taluks in Haveri district received rains towards Sunday evening. Rains coupled with lightning lashed Savanur, Haveri, Hangal, Byadgi and Ranebennur.

Tumakuru

Two persons were killed and four others sustained serious injuries when lightning struck them in the separate incidents reported in Pavagad taluk of Tumakuru district.

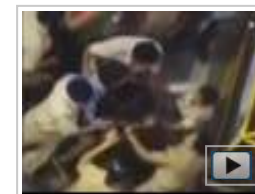
The deceased have been identified as Ravishankar (19), a shepherd and a resident of Kariyamanapalya. Ravishankar, along with the herd, was near the village when the lightning struck him dead.

Anjappa (52) of Kadagatturu in Madhugiri taluk was struck dead by lightning on Sunday evening.

In another incident, four farm labourers who were taking shelter under a tree when the skies opened up, suffered serious injuries after they were struck by lightning. Hanumantaraya, Ramappa, Peddaiah and Shashidhar suffered serious injuries in the incident.

26-year-old Umesh was struck dead by lightning in Tekalavatti Gollarahatty village of Holalkere taluk in Chitradurga district. The incident occurred while he was in his land to guard maize crop.

Videos



Girl in shorts not allowed to enter...



Variety the spice of life for Mumbai's...



Saudi Arabia calls for haj stampede investigation...



Fake iPhone 6s on sale in China...

Subscribe - Deccan Herald's YouTube channel

[more videos](#)

Most Popular Stories now

Commented

Emailed

Viewed

- 100 pilgrims killed near Mecca during haj
- Need to delink terror from religion: PM Modi
- Modi signs national flag, sparks controversy
- FIR against KS Bhagwan for hurting religious sentiments
- CID charges pontiff with rape after matching DNA
- PM breaks down recalling his mother's sacrifices
- BJP indicates support for quotas for poor

[among upper castes](#)

Mundagod town in Uttara Kannada district too received heavy rains .

Shivamogga

Moderate to heavy rains accompanied by lightning and strong wind lashed several parts of Shivamogga district.

Shivamogga, Bhadravathi, Sagar, Hosanagar, some parts of Thirthahalli, Shikaripur received rains towards evening. Water level in Linganamakki dam rose to 1791.80 feet against the maximum of 1,819 feet. The inflow of water was 2,636 cusecs.

[Go to Top](#)

 E-mail this Page  Print this Page  Bookmark

Like 1 Tweet 1  0

0 Comments

Deccan Herald

 1 Login ▾

 Recommend

 Share

Sort by Best ▾



Start the discussion...

Be the first to comment.

Photo Gallery



Devotees immersing a Ganpati idol on the last day of Ganesh Festival in Navi Mumbai...

[more](#)

RAVI CHOUDHARY/HT



[NATIONAL](#) » [TAMIL NADU](#)

Published: September 28, 2015 00:00 IST | Updated: September 28, 2015 05:52 IST SALEM, September 28, 2015

Inflow into Mettur increases

- Special Correspondent

The Mettur dam continued to receive heavy inflow for the second consecutive day on Sunday due to widespread rainfall in the catchment areas of Cauvery river in Karnataka.

The inflow into the dam was 27,442 cusecs on Sunday evening.

The water level in the dam which stood at 67.24 feet on Saturday rose to 68.2 feet on Sunday evening, against its full level of 120 feet. The storage too rose to 31.175 tmc on Sunday from 30.37 tmc on Saturday against the dam's full capacity of 93.470 tmc.

The discharge from the dam for farm activities was 12,000 cusecs for samba cultivation in delta districts and 500 cusecs for East West canal irrigation system cusecs, sources in the PWD said.

Printable version | Sep 29, 2015 2:29:57 PM | <http://www.thehindu.com/news/national/tamil-nadu/inflow-into-mettur-increases/article7696317.ece>

© The Hindu

गंगा को स्वच्छ करने के लिए आईटीबीपी आया सामने

नई दिल्ली, (ब्यूरो): गंगा को साफ सुथरा करने की कोशिश में जहां सरकार व कई संगठन काम कर रहे हैं। अब भारत-चीन सीमा पर तैनात आईटीबीपी ने भी गंगा को स्वच्छ करने का जिम्मा लिया है। आईटीबीपी के महानिदेशक कृष्ण चौधरी 2 अक्टूबर से 12 दिसम्बर 2015 तक रिवर राफ्टिंग अभियान चलाया जाएगा। जो उत्तराखंड के देव प्रयाग नामक स्थान से प्रारंभ होकर पश्चिम बंगाल के गंगासागर में समाप्त होगा। 2350 किमी लंबे नदी मार्ग पर जल व मृदा के नमूने एकत्रित करेंगे। नमूनों को सरकारी प्रयोगशाला में नमूनों की जांच के उपरांत विस्तृत रिपोर्ट भारत सरकार को सौंपेगा, ताकि इन नमूनों की जांच से गंगा में प्रदूषण की वास्तविकता जानी जा सके। इस बीच गंगा को स्वच्छ रखने एवं इसके किनारों को

स्वच्छता अभियान

2350 किमी लंबे नदी मार्ग पर जल व मृदा के नमूने एकत्रित करेंगे

पॉलीथीन रहित बनाए रखने के लिए तथा गंगा नदी के तटों/क्षेत्रों के पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिए जनता में जागरूकता पैदा करेंगे। उनका कहना है कि जल क्रीड़ा को बढ़ावा देने और युवाओं में साहसिक भावना पैदा करने के लिए यह अभियान काफी उपयोगी साबित होगा। उन्होंने बताया कि इस अभियान के तहत विभिन्न स्थानों पर गंगा नदी के किनारे प्रतीकात्मक पौधारोपण भी किये जाने की योजना है और गंगा नदी के साथ बंजर भूमि पर बीजारोपण भी किया जाएगा।

बेहतर कृषि प्रबंधन तकनीकों से

बदलते मौसम की चुनौतियों का सामना करें



जलवायु परिवर्तन से कृषि को चुनौती

प्रत्यक्ष प्रभाव

- उत्पादकता
- उत्पाद की गुणवत्ता

अप्रत्यक्ष प्रभाव

- भूमि का उपजाऊपन
- पशुधन एवं मत्स्य
- मिट्टी एवं जल संसाधन
- फसल का स्वास्थ्य

अंशदायी कारक

- चावल की जलमग्न खेती
- उर्वरक का अवैज्ञानिक प्रयोग
- पशुधन से गैस का उत्सर्जन
- मिट्टी में जैविक तत्वों की अल्पमात्रा

सुझाई गई तकनीक

- जल संवर्धन का उचित प्रयोग
- प्रतिकूल मौसम से लड़ने में सक्षम फसल की प्रजातियाँ
- फसलों में विविधता एवं रोपाई में पंक्तिकरण
- जैविक खेती
- सॉयल हेल्थ कार्ड पर आधारित एकीकृत पोषण प्रबंधन
- पशुधन के चारे का उचित प्रबंधन
- कृषि वनों को प्रोत्साहन

केन्द्र सरकार की योजनाएं और नीतियां

1. सॉयल हेल्थ कार्ड स्कीम
2. प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना
3. परम्परागत कृषि विकास योजना
4. नेशनल एग्रो-फोरेस्ट्री एण्ड बैम्बू मिशन
5. मिशन फॉर इटीग्रेटेड डेवलपमेंट ऑफ़ हॉर्टीकल्चर
6. नेशनल मिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन एण्ड टेक्नोलॉजी
7. नेशनल इनीशिएटिव ऑन क्लाइमेट रेसिलिएंट एग्रीकल्चर
8. नेशनल मिशन ऑन सस्टेनेबल एग्रीकल्चर
9. नेशनल एग्रो-फोरेस्ट्री पॉलिसी
10. नेशनल पॉलिसी फॉर मनेजमेंट ऑफ़ क्रॉप रेसिड्यूज
11. राशन बैलेंसिंग प्रोग्राम



कृषि, सहकारिता एवं किसान कल्याण विभाग
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
भारत सरकार

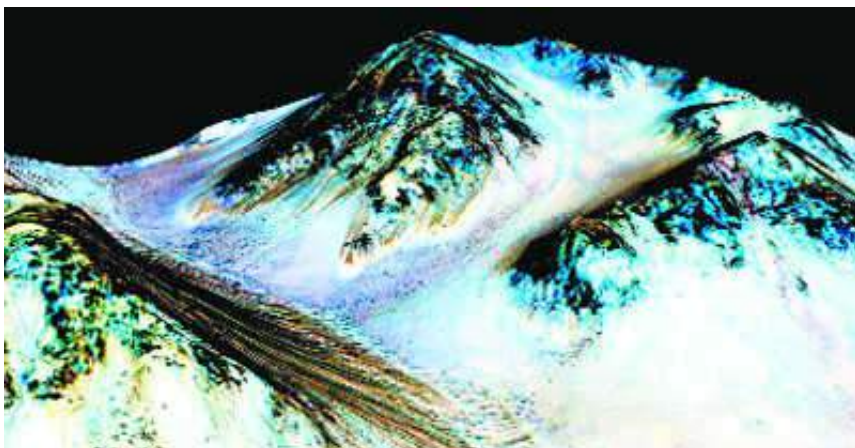
The Tribune

VOICE OF THE PEOPLE

World

NASA confirms liquid water found on Mars

Published on: Sep 29 2015 12:26AM



Red Planet not dry: Streaks on Mars inferred to have been formed by flowing water are seen in an image produced by NASA, the Jet Propulsion Laboratory and University of Arizona. Reuters

Cape Canaveral, September 28

Scientists analysing data from a NASA spacecraft have found the first evidence that briny water flowed on the surface of Mars as recently as last summer, a paper published on Monday showed, raising the possibility that the planet could support life.

Although the source and the chemistry of the water is unknown, the discovery will change scientists' thinking about whether the planet that is

most like Earth in the solar system could support present day microbial life.

“It suggests that it would be possible for life to be on Mars today,” said John Grunsfeld, NASA's associate administration for science.

“Mars is not the dry, arid planet that we thought of in the past. Under certain circumstances, liquid water has been found on Mars,” said Jim Green, the agency's director of planetary science.

The discovery was made when scientists developed a new technique to analyze chemical maps of the surface of Mars obtained by NASA's Mars Reconnaissance Orbiter spacecraft. They found telltale fingerprints of salts that form only in the presence of water in narrow channels cut into cliff walls throughout the planet's equatorial region.

The slopes, first reported in 2011, appear during the warm summer months on Mars, then vanish when the temperatures drop. Scientists suspected the streaks, known as recurring slope lineae, or RSL, were cut by flowing water, but previously had been unable to make the measurements. —Reuters





[CITIES](#) » [DELHI](#)

Published: September 29, 2015 00:00 IST | Updated: September 29, 2015 05:34 IST NEW DELHI, September 29, 2015

NGT: Won't decommission Uttarakhand hydro project

- [Akanksha Jain](#)

The National Green Tribunal (NGT) has refused to decommission the 400-megawatt Vishnu Prayag Hydro Electric Project, which is the world's largest hydropower project in the private sector, located on the upper reaches of Alakananda river in Uttarakhand.

An NGT Bench headed by chairperson Justice Swatanter Kumar declined the plea by Bharat Jhunjhunwala, a professor residing in Uttarakhand.

The tribunal, however, formed a committee to suggest further mitigative and regulatory steps to be taken by Jaiprakash Power Ventures, the project proponent.

"...while we find no merit in this application of the applicant to grant the prayed relief of decommissioning of the dam, however, we constitute the following committee to suggest if any further mitigative and regulatory steps are required to be taken by the Project Proponent in the interest of environment, ecology and aquatic biodiversity," the NGT said.

Among the members on the committee are Chief Wildlife Warden (Uttarakhand), Principal Scientist (WII, Dehradun), Director, MoEF (Involved in Hydro-Power Projects) and Principal Scientist (Wadia Institute of Himalayan Geology).

The committee will spell out precautionary and mitigative measures, if any, required to be taken by the project proponent keeping in view the fact that the barrage is close to the boundary of the Nanda Devi Biosphere Reserve.

The professor, in his petition, had claimed that though the project was granted environmental clearance in November 1995, the Uttar Pradesh government had declared it as a 'No Development Zone' on August 23, 1995.

Further, the project was damaged in the floods of June 2013. However, the dam was restored and began generating electricity again in April 2014.

According to the applicant, the only way of restitution of the environment was to remove the project and restore the environment and ecology

of the area with further directions to pay compensation.

Tribunal forms a panel to suggest mitigative steps that need to be taken

Printable version | Sep 29, 2015 2:01:17 PM | <http://www.thehindu.com/news/cities/Delhi/ngt-wont-decommission-uttarakhand-hydro-project/article7700150.ece>

© The Hindu

AP

This file image made available by NASA shows Mars photographed by the Hubble Space Telescope.

Liquid water runs down canyons and crater walls over the summer months on Mars, according to researchers who say the discovery raises the odds of the planet being home to some form of life.

The trickles leave long, dark stains on the Martian terrain that can reach hundreds of metres downhill in the warmer months, before they dry up in the autumn as surface temperatures drop.

Images taken from the Mars orbit show cliffs, and the steep walls of valleys and craters, streaked with summertime flows that in the most active spots combine to form intricate fan-like patterns.

“There is liquid water today on the surface of Mars,” Michael Meyer, the lead scientist on NASA’s Mars exploration programme, told the Guardian. “Because of this, we suspect that it is at least possible to have a habitable environment today.” The water flows could point NASA and other space agencies towards the most promising sites to find life on Mars, and to landing spots for future human missions where water can be collected from a natural supply.

Nearly a decade ago, NASA’s Mars Global Surveyor took pictures of what appeared to be water bursting through a gully wall and flowing around boulders and other rocky debris. In 2011, the high-resolution camera on NASA’s Mars Reconnaissance Orbiter captured what looked like little streams flowing down crater walls from late spring to early autumn. Not wanting to assume too much, mission scientists named the flows “recurring slope lineae” or RSL.

Researchers have now turned to another instrument on board the Mars Reconnaissance Orbiter to analyse the chemistry of the mysterious RSL flows. Lujendra Ojha, of Georgia Institute of Technology in Atlanta, and his colleagues used a spectrometer on the MRO to look at infrared light reflected off steep rocky walls when the dark streaks had just begun to appear, and when they had grown to full length at the end of the Martian summer.

Writing in the journal Nature Geoscience, the team describes how it found infra-red signatures for hydrated salts when the dark flows were present, but none before they had grown. The hydrated salts — a mix of chlorates and perchlorates — are a smoking gun for the presence of water at all four sites inspected: the Hale, Palikir and Horowitz craters, and a large canyon called Coprates Chasma.

The flows only appear when the surface of Mars rises above -23C. The water can run in such frigid conditions because the salts lower the freezing point of water, keeping it liquid far below 0C.— © **Guardian Newspapers Limited, 2015**

Printed from

THE TIMES OF INDIA

Water pollution making Aravali villagers sick

Shilpy Arora,TNN | Sep 29, 2015, 10.35 AM IST

GURGAON: Groundwater pollution in Aravalis caused by tonnes of untreated waste lying near defunct Bandhwari waste treatment plant is leading to disease like skin lesions, bloody diarrhoea and dermatitis among people from neighbouring villages.

Meenu, a 7-year-old boy from Bandhwari village and Raju, a 23-year-old man from Dera village, have developed skin lesions and while spots on their bodies. Both the villages on Gurgaon-Faridabad Road have stopped consuming water from natural sources like lakes and wells.

"Our lake has been poisoned by hazardous waste. Now we are completely dependent on bottled water. But one can't bathe with bottle water. As a result, we are all are having skin problems," said Rati Rani, sarpanch of Bandhwari village.

The waste treatment plant meant for Gurgaon and Faridabad districts has been lying defunct for the last two years. However, it's still being used as dumping yard and leachate has seeped into the ground, polluting the water. "For the last two years, we have been living with unbearable stink. People speed through this stretch of Gurgaon-Faridabad Road. We are living in a hell here. First they ruined our air, now they have polluted our water," said Jhanvi Devi, Meenu's mother.

Taking advantage of the situation, private water suppliers here have increased price of a 50-litre bottle to Rs 1,000 from Rs 600 to Rs 700 till a few months back. Many villagers, who can't afford bottled water have been borrowing water from far off places. Even among these families, cases of water-borne diseases like bloody diarrhoea have been reported.

"We can't afford bottled water. My daughter was detected with bloody diarrhoea. We had to admit her in the local hospital which is more than eight-kilometre away from our village," said Mangat Singh, a labourer.

According to doctors, since mixed waste has all types of metals, chemicals and pollutants, there are chances that the groundwater has deadly contents like lead, nickel and cadmium compounds. "Skin lesions, bloody diarrhoea and dermatitis are just the symptoms. In long term, polluted water like this can lead to hypertension, anorexia, memory loss, gum diseases, kidney damage, liver damage and even cancer," said Dr Vibha Sengupta, a dermatologist.

Dr Nandini Baruah, dermatologist and cosmetologist at Paras Hospital said, "The most common problem is allergic contact dermatitis. The repetitive ~~contact with polluted water can cause eczema and bacterial infections. Long term exposure can even lead to skin cancer.~~ Not just skin diseases, people can have multiple gastronomic diseases and ulcers."

Environmentalists fear that contamination is spreading across a large part of Aravalis. A case has already been filed in National Green Tribunal by activists Vivek Kamboj and Amit Chaudhery. "I was shocked to find out that even medical waste was dumped at the site. Mixed waste is simply dumped here by hundreds of vehicles coming from Gurgaon and Faridabad. While contamination of groundwater in the villages is visible, there is a huge possibility of these pollutants seeping into groundwater of Gurgaon, Faridabad and South Delhi," Kamboj told TOI.

Amit Chaudhery, who works with People for Animals, said water and soil pollution was having grave impact on wildlife plants in Aravali forests.

Talking about the possible solutions, Chetan Agarwal, an environmental analyst, said, "A leachate lake has also been formed near the dumping site. While the long term solution is to remove the waste dump, for now authorities should immediately pump out leachate water from the lake and treat it to stop the ongoing contamination."

Every day, municipal corporations of Gurgaon and Faridabad dump 1,100 metric tonne waste at the 30-acre site. When asked, a senior MCG official said, "We are allowed to use 12 acres as landfill site only for processed waste. Remaining 18.5 acres is eco-sensitive zone where no dumping should take place. But as of now, all 30.5 acres is filled with untreated garbage."

Stay updated on the go with Times of India [News App](#). Click [here](#) to download it for your device.

[Post a comment](#)

FROM AROUND THE WEB



MORE FROM THE TIMES OF INDIA



DECCAN HERALD

Tuesday 29 September 2015
News updated at 2:01 PM IST

 Search

Weather
Max: 29.7°C
Min: 19.7°C



In Bengaluru
Generally cloudy

[Archives](#) | [Jobs](#)

[Home](#) [News](#) [New Delhi](#) [Business](#) [Supplements](#) [Sports](#) [Entertainment](#) [Videos](#) [Opinion](#)
[hauhan to stay, co-chair in plans](#) [Home, auto loans to cost less as RBI cuts rate by 0.50%](#) [RBI lowers GDP forecast for FY'16 to 7.4%](#) [Rajan surprises again,](#)

You are here: [Home](#) » [City](#) » When Bellandur lake turned one big lather pool

When Bellandur lake turned one big lather pool

Bengaluru: Sept 28, 2015, DHNS



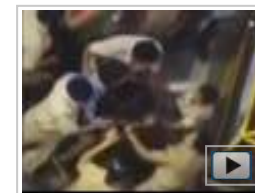
The frothing at Bellandur lake near the Ammanikere waste-weir continued on Sunday and aggravated towards the evening following a heavy downpour.

The residents in the lake vicinity, complained that with foam spilling onto the road they are finding it tough to walk or drive the vehicles.

Former president of Bellandur Gram Panchayat K Jagannath said, "The froth is causing hardship to the commuters, who are using Bellandur Tank Bund Road to reach Marathahalli, Yemalur, Indiranagar and other surrounding areas.

The aggrieved residents said that a couple of months back, effective microorganism (EM) solution was sprayed into the lake to curb the frothing problem. But it didn't yield the desired results. They added that though the

Videos



[Girl in shorts not allowed to enter...](#)



[Variety the spice of life for Mumbai's...](#)



[Saudi Arabia calls for haj stampede investigation...](#)



[Fake iPhone 6s on sale in China...](#)

Subscribe - Deccan Herald's YouTube channel

[more videos](#)

treatment plant near Bellandur lake is operational, it is below the required capacity.

"The frothing process is going on for more than five years, now. The stench is unbearable and many people in our locality and Yemalur are falling sick," rues, Ramesh Shivaram, a resident of Bellandur.

Jagannath, who had approached State Legal Services Authority over the contamination of Bellandur lake, said that more than 20 villages in and around the water body such as Kempapura, Munnekolala, Kariyamma Agradhara, Panathur among others are affected badly.

"The borewells have been polluted as well. We are planning to hold protests and meet Bruhat Bengaluru Mahanagara Palike (BBMP) Health officials in the coming days to highlight the problem. Since the froth contains deadly chemicals, people, in contact with it, suffer from skin diseases and vehicles are also damaged," he added.

Meanwhile, Bangalore Water Supply and Sewerage Board (Koramanagala 1 and 2, Bellandur Division) Engineer Naveen said that the BWSSB officials will visit the water body on Monday.

[Go to Top](#)

 E-mail this Page  Print this Page  Bookmark

Like 7 Tweet 1 G+1 0

4 Comments Deccan Herald

1 Login

 Recommend  Share

Sort by Best



Join the discussion...

Most Popular Stories now

Commented

Emailed

Viewed

- 100 pilgrims killed near Mecca during haj
- Need to delink terror from religion: PM Modi
- Modi signs national flag, sparks controversy
- FIR against KS Bhagwan for hurting religious sentiments
- CID charges pontiff with rape after matching DNA
- PM breaks down recalling his mother's sacrifices
- BJP indicates support for quotas for poor among upper castes

Photo Gallery



Devotees immersing a Ganpati idol on the last day of Ganesh Festival in Navi Mumbai...

[more](#)

पहाड़ों में बारिश होने से मैदानों में सुबह की ठंड बढ़ी

नई दिल्ली | प्रमुख संवाददाता

मौसम के जानकारों के अनुसार पहाड़ों में हुई बारिश के चलते दिल्ली सहित उत्तर भारत में न्यूनतम तापमान में कमी दर्ज की जा रही है। इसी के चलते सुबह व शाम को ठंड महसूस की जा रही है। अगले 48 घंटों में उत्तर भारत से मानसून के वापस जाने की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। इसके चलते सूखी हवाएं चलना शुरू हो जाएंगी।

मौसम के विभिन्न पहलुओं पर काम करने वाली निजी संस्था स्काईमेट के मौसम वैज्ञानिक समरजीत चौधरी ने बताया कि इस बार मानसून के जाने में देरी हो गई है। उम्मीद की जा रही है कि अगले 48 घंटे में उत्तर भारत से मानसून के जाने की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। मानसून के जाने से जहां शुष्क हवाएं दर्ज की जाएंगी। वहीं दोपहर में गर्मी महसूस की जाएगी। अगले एक सप्ताह तक न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस व अधिकतम तापमान 35 से 36 डिग्री सेल्सियस के करीब रहने की संभावना

हवा में दोगुना बढ़ा प्रदूषण

नई दिल्ली (प्र.सं.)। मौसम साफ होने हवा में प्रदूषण का स्तर बढ़ना शुरू हो गया है। हवा में प्रदूषक तत्व पीएम 2.5 की मात्रा मानकों से दोगुनी दर्ज की जा रही है। हवा में पीएम 10 की मात्रा भी सामान्य से अधिक दर्ज की गई है।

इस सप्ताह और बढ़ेगा प्रदूषण :

राजधानी में वायु प्रदूषण पर नजर रखने वाली पृथ्वी मंत्रालय की संस्था 'सफर' के अनुसार अगले एक सप्ताह में प्रदूषण के स्तर में और वृद्धि दर्ज की जाएगी। सोमवार को हवा में पीएम 2.5 की मात्रा 95 से 110 माइक्रोग्राम प्रति मीटर क्यूब की बीच दर्ज की गई। हवा में इसकी मात्रा 60 माइक्रोग्राम प्रति क्यूबिक मीटर से अधिक नहीं होनी चाहिए।

है। अक्टूबर के दूसरे सप्ताह से हल्की ठंड बढ़ने की संभावना है। अगले एक सप्ताह तक आसमान साफ रहने की संभावना है।